8–4–67 ओमशांति रात्रीक्लास

यह है फूलों का बगीचा।फूलों का बगीचा और कांटों का जंगल यह संगम पर गाया जाता है। अब कांटों से फूल बन रहे हो। कांटे भी अनेक प्रकार के हैं। कोई बड़े ,कोई छोटे।पुरानी दुनियां में है ही कांटो का जंगल।उसमें भी बड़े कांटे कौन से हैं?जो अपने को ईश्वर कहकर अपने को ही पुजवाते हैं। जो शिवोअहम् कहते हैं बड़े कांटे तो वो हैं। बाप ने कहा है कि मैं आकर साधु–संतों का भी उद्धार करता हूँ। अब साधु पवित्र तो हैं ;परंतु नाम बड़ा क्यों रखा है?क्योंकि ईश्वर की बहुत ग्लानी करते हैं। बाप को पत्थर–भित्तर में कहकर उनकी इन्सल्ट कर दी है।वो खुद समझते नहीं हैं। तुम बच्चों द्वारा ही समझेंगे। ड्रामा के प्लान अनुसार इन आसुरी सम्प्रदायों की है आसुरी मत। रावण मत। तुम्हारी है ईश्वरीय मत। तुम बच्चे जानते हो कि हम श्री2 की मत पर चल रहे हैं श्री बनने के लिए। यहां मनुष्य सब हैं भ्रष्टाचारी। गवर्मेंट भी कहते हैं भ्रष्टाचारी है।अपने को भ्रष्टाचारी नहीं समझते।बच्चे जानते हैं हम श्रेष्ठाचारी बन रहे हैं। हम श्रेष्ठाचारी थे। फिर रावण ने भ्रष्टाचारी बनाया है। बाबा ने समझाया था ना हम सो का अर्थ। यह धारण करने योग्य है।ओम का अर्थ भी समझाया और सो हम का अर्थ भी समझाया तो कितना रात–दिन का फर्क है।तुम बच्चों के सिवाय और कोई समझ ना सके। तुम्हारा ही पार्ट है।हम सो ब्राह्मण ,फिर सो देवता सो क्षत्रिय। अब तुम इस अर्थ को समझते हो। मनुष्य तो आत्मा सो परमात्मा कह देते हैं। बच्चों को अंदर खुशी होती होगी कि सामने आये हैं बेहद के बाप के पास।प्रजापिता ब्रह्मा के भी बहुत बच्चे। इनको भी बहुत बच्चे। उनको कहेंगे बाप ,उनको कहेंगे मनुष्य सृष्टि के शरीरों का बाप। सभी का बाप। वो फिर सब आत्माओ का रुहानी बाप, यह जिस्मानी बाप। इनसे बड़ा तो कोई नहीं है।इनसे वर्सा भी उंच मिलता है। विश्व के मालिक श्रीलक्ष्मी श्रीनारायण बनते हैं।आधा कल्प लिए इतने सुखी बनेंगे तो गफलत नहीं करनी चाहिए।बुद्धि से जज करो कि यह कमाई साथ देगी क्या?विवेक कहता है वो कमाई तो अल्पकाल क्षणभंगुर के लिए है।यह कमाई 21जन्मों तक साथ देगी। इस तरफ भी ध्यान ना देने से बहुत घाटा हो जावेगा। जितना याद करेंगे स्वदर्शनचक्रधारी बन बाप को याद करेंगे उतना ही कमाई होगी। अल्फ को याद करने में क्या तकलीफ है ;परंतु माया बड़े विघ्न डालती है। बाप कहते हैं सिर्फ अल्फ और बे को याद करो। बाप को याद करने से हम तमोप्रधान से सतोप्रधान हो जावेंगे। समय भी बहुत कम है। धंधा–धोरी करते भी अपने माशूक को याद करो तो अपने भविष्य लिए फायदा हो।वो कमाई कितना साथ देगी। कितने पदमपति हैं ;लेकिन तुम जानते हो कि वो कितने दिन होंगे। उनके पोत्रे पुत्र आदि धन का वर्सा पा नहीं सकेंगे। वो तो समझते हैं हमारी वंशावली बहुत सुखी होगी। तुम जानते हो यह सब मिट्टी में मिल जाना है। हां, अपने कुल के होंगे तो पिछाड़ी में ही आकर गरीब बनेंगे। बाप का परिचय लेंगे ;परंतु गरीब बनेंगे। गरीब निवाज भी सिद्ध कर बताते हैं ना। अच्छी रीति पुरुषार्थ करने से राजाई में वर्सा पा सकते हैं। एम ऑब्जेक्ट सामने खड़ा है। उस धंधे के साथ2 कुछ समय निकाल कर बाप को याद करो। वो आधा कल्प का माशूक है। हे भगवान ,हे प्रभु, हे राम कहते हैं ना। अब तो सम्मुख आते हैं। वो हर 5000वर्ष बाद आते हैं कहते हैं मैं भारत को यह बनाकर गया था अब फिर आया हूँ यह बनाने। तुम भी कहते हो बाबा हम आपसे यह वर्सा लेंगे। कम नहीं। भल बच्चे आदि सम्भालो। सिर्फ बाप को याद करो और पावन बनो और स्वदर्शन चक्र फिराओ तो सतयुग में उंच पद पा लेंगे। बाप का परिचय दो 100सुनेंगे उनमें से एक निकलेगा। बाप कहते हैं शांति का सागर पवित्रता का सागर मैं हूँ। इन ल.ना. को ज्ञान का सागर नहीं कहेंगे। बच्चे जानते हैं 5000वर्ष बाद फिर बाप आया है। बाप कल्याण का (सागर) है तो बच्चों को भी कल्याणकारी बनना है। स्टुडेंट कहें कि पढ़ने का टाइम नहीं है तो फेल हो जावेंगे। भारी चोटी है। ऐसी माया का गुलाम नहीं बनना चाहिए। अच्छा, बच्चों से गुड नाइट। ओम।